गाँव की लड़की आयशा चुद गयी मुझसे

“Xxx गाँव सेक्स कहानी में मैं एक गाँव में बैंक मेनेजर बन कर गया. वहां एक लड़की पर मेरी नजर पड़ी. उसने भी मुझे देखकर सेक्सी मुस्कान दी। मैंने उसे घर आने को कहा. ...”

Story By: सुरेश ठाकुर (sureshthakur)
Posted: Wednesday, March 18th, 2026
Categories: कोई मिल गया
Online version: गाँव की लड़की आयशा चुद गयी मुझसे

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गाँव की लड़की आयशा चुद गयी मुझसे

Xxx गाँव सेक्स कहानी में मैं एक गाँव में बैंक मेनेजर बन कर गया. वहां एक लड़की पर मेरी नजर पड़ी. उसने भी मुझे देखकर सेक्सी मुस्कान दी। मैंने उसे घर आने को कहा.

यह कहानी उस समय की है जब मैं 24 साल का था और अविवाहित था। मैं दो साल पहले एक राष्ट्रीयकृत बैंक में अधिकारी के रूप में शामिल हुआ था।

उसके बाद मुझे एक छोटे से सुदूर गाँव में नई खुली बैंक शाखा का प्रबंधक बनाकर भेज दिया गया।
गाँव की आबादी महज 2000 थी।

मेरे पास एक पुराने घर में रहने का क्वार्टर था— काफी बड़ा, तीन कमरे और एक विशाल आँगन वाला।
घर के मुख्य दरवाजे के ठीक बाहर एक कुआँ था।
गाँव के ज्यादातर लोग, खासकर महिलाएँ, रोज़ सुबह और शाम वहाँ से पीने का पानी भरती थीं।

कुछ महीनों बाद जब मैं वहाँ बस गया और ग्रामीणों से अच्छी तरह परिचित हो गया, तो मैं अपनी दिनचर्या में सहज हो चुका था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं अक्सर मुख्य दरवाज़ा खुला रखकर आँगन में बैठा रहता था और लोगों को, खासकर महिलाओं को पानी भरते देखता रहता था।

एक शाम मेरी नज़र एक युवती पर पड़ी।
वह नियमित रूप से आती थी लेकिन उस दिन तक मैंने उस पर खास ध्यान नहीं दिया था— जब तक वह अकेली नहीं थी।

वह दुबली-पतली थी, लगभग 20 साल की।
रंग साँवला था, लेकिन जिस चीज़ ने मुझे उसकी ओर खींचा, वह उसका चेहरा था।
साँवले रंग के बावजूद तीखी नाक, बड़ी-बड़ी आँखें और भरे हुए होंठ— वह बेहद सुंदर लग रही थी।
मुझे लगा कि उसकी चुचियाँ 34 इंच, कमर 28 इंच और नितंब 34 इंच के होंगे।
वह एक सेक्स देवी की तरह लग रही थी— छलकते युवा शरीर से लबालब भरी हुई।

यह Xxx गाँव सेक्स कहानी इसकी लड़की के साथ चुदाई की है.

उसने मुझे देखा और एक सेक्सी मुस्कान दी।
मैंने भी मुस्कुराकर जवाब दिया।

वह मुझे देखती रही और धीरे से पूछा- आप कैसे हैं ?
मैंने कहा- अच्छा हूँ।

फिर उसने पूछा- आपकी पत्नी कहाँ हैं ?

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने बताया- मैं शादीशुदा नहीं हूँ।

वह राहत महसूस करती हुई दिखी।
पानी भरने के बाद वह बोली- मैं बाद में आऊँगी।
और एक सेक्सी मुस्कान देकर चली गई।

जब तक वह वहाँ थी, मेरा लंड सख्त और खड़ा हो चुका था।
तभी मैंने मन ही मन तय कर लिया कि इन दिनों में से किसी एक दिन मैं उसे ज़रूर चोदूँगा।

मैं अपने चपरासी से चाय मँगवाता था।
वह चाय किसी आदमी से मँगवाता था।

कभी-कभी जब वह बूढ़ा आदमी बाहर होता था, तो यह महिला खुद चाय बनाकर बैंक शाखा में लाती थी।
उसका घर मेरी शाखा और क्वार्टर के बहुत करीब था।
छोटा गाँव होने की वजह से सब कुछ पास-पास ही था।

एक शाम शाखा बंद करने के बाद मैं घर की ओर जा रहा था।
मैंने देखा—आयशा अपने घर के दरवाजे के बाहर बैठी है।

वह पैर फैलाकर बैठी थी और ब्लाउज़ में हाथ डालकर अपनी दाहिनी काँख खुजा रही थी।
साड़ी उसके चुचियों के किनारे पर थी और उन्हें उजागर कर रही थी।

जब मैंने उसे अपनी बगल खुजाते देखा, तो वह रुकी नहीं।
बल्कि मुझे देखकर मुस्कुराई और खुजलाना जारी रखा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

गली में कोई नहीं था।

मैं बस मुस्कुराया और अपना लंड पैंट के ऊपर से दबाया— जिसे उसने साफ़ देख लिया।

मैं घर आया और फ्रेश होकर चाय बनाने ही वाला था कि आयशा चाय का कप लेकर आ गई।
वह पहली बार मेरे घर के अंदर आई।

मैंने पूछा- चाय का ऑर्डर किसने दिया?

वह बोली- किसी ने नहीं। लेकिन मुझे लगा शायद आप बैंक के बाद चाय पीना पसंद करेंगे।
मैंने धन्यवाद कहा और बैठने को कहा।
उसने मना कर दिया- नहीं, मैं नहीं बैठ सकती। अगर कोई देख लेगा तो अच्छा नहीं होगा।

वह खड़ी रही।
मैंने चाय खत्म की और कप लिया।
मैं पैसे देने के लिए अंदर गया तो उसने रोक लिया- नहीं, पैसे मत देना! चाय मेरी तरफ से है।

यह कहते हुए उसने एक सेक्सी मुस्कान दी।
मैंने धन्यवाद कहा और बोला- जब भी तुम मुझसे बात करना चाहो, आ सकती हो। मैं स्वागत करूँगा।

वह बोली- मैं तब आऊँगी जब थोड़ा अंधेरा हो जाएगा और कोई देख

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

नहीं पाएगा।

मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाह रही थी।
वह मुझसे खुलकर फ़्लर्ट कर रही थी।

कुछ दिनों बाद वह पानी भरने कुएँ पर आई।
मैं अंदर था।
उसने कुछ मिनट इंतज़ार किया और फिर चलने लगी।
तब तक मैं आँगन में आ गया।
आयशा को जाते देखा।

मैंने उसके मुड़ने का इंतज़ार किया।
वहाँ एक और महिला थी, इसलिए मैं उसे खुले तौर पर इशारा नहीं कर सका।

जब वह परिसर से बाहर निकलने से पहले मुड़ी, तो मैंने धीरे से हाथ से आने का संकेत किया।
उसने मुँह से कहा- मैं शाम को आऊँगी!

और चली गई।
मैं यह सोचकर रोमांचित था कि आज मुझे उससे मिलने और संभवत: उसे चोदने का मौका मिलेगा।

एक बार जब वह अंदर आई, तो मैं उसे हॉल में ले गया और दरवाज़े बंद कर दिए।
वह ताज़गी से नहाकर, साफ़-सुथरी खड़ी थी।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने कहा- बैठो।
वह बोली- मुझे जल्दी वापस जाना है। इसलिए जो करना है जल्दी करो!

मैंने कहा- चलो, बेडरूम में चलते हैं।

बेडरूम में मैंने उसे गले लगा लिया।
उसने भी मुझे कसकर पकड़कर जवाब दिया।

मैंने उसके होंठ चूमे और कहा- कपड़े उतारो।
वह बोली- मैं सिर्फ़ ब्लाउज़ खोलूँगी और साड़ी ढीली करूँगी। पूरी तरह नंगी नहीं होऊँगी।

मैंने कहा- ठीक है!

मैंने अपने सारे कपड़े उतार दिए।
मेरा लंड खड़ा और सख्त हो चुका था।

उसने साड़ी ढीली की और अपनी क्लीन शेव्ड चूत दिखाई।
ब्लाउज़ के बटन खोल दिए— चुचियाँ पूरी तरह उजागर हो गईं।

मैंने उसे बिस्तर पर खींच लिया।
उसकी चुचियों को छूते हुए चूसना शुरू कर दिया।
जल्द ही वह अपनी चूत का रस छोड़ रही थी और कराह रही थी।

वह बोली- जल्दी से अपना लंड मेरी चूत में डालो और मुझे चोदो!
मैंने उसकी जाँघें चौड़ी कीं।
उसने जाँघें ऊपर उठा लीं ताकि चोदना आसान हो।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने चूत के छेद पर निशाना लगाया और लंड धकेल दिया।
जब सिर्फ़ सुपाड़ा अंदर गया, तो वह चिल्लाई- धीरे-धीरे चोदो!

मेरे लंड के कारण उसके दर्द को कम करने के लिए मैं उसे पास लेकर बात करने लगा।

मैंने पूछा- क्या तुम पहले भी चुदाई करवा चुकी हो?
वह बोली- हाँ, दो बार।

दर्द हुआ था?
हाँ, दर्द हुआ था… लेकिन दूसरी बार कम हुआ था।”

बात करते-करते मैं अपना लौड़ा धीरे-धीरे अंदर धकेलता रहा।
उसकी चूत बहुत टाइट थी।

जब आधा लंड अंदर चला गया, तो मैं उसके ऊपर लेट गया और चुचियाँ चूसने लगा।
अब उसे बेहतर लग रहा था—उसकी चूत से रस निकल रहा था।

मैंने धक्के लगाने शुरू किए।
लेकिन मुझे अपने लंड में जलन महसूस हो रही थी— क्योंकि उसकी कसी हुई चूत में घर्षण बहुत ज़्यादा था।

अब मैं गहरे झटकों के साथ चोदने लगा।
वह उग्र चुदाई का आनंद ले रही थी और दो बार झड़ चुकी थी।

मैं वीर्यपात के लिए तैयार था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने पूछा- कहाँ झाड़ूँ ?

वह बोली- चूत में मत गिराना ! बाहर छोड़ दो !

कुछ झटकों के बाद मैंने लंड बाहर निकाला और उसके पेट के निचले हिस्से पर वीर्यपात कर दिया।

पूरी तरह झड़ने के बाद मैं उठ गया।
आयशा भी उठी।
मैंने उसके पेट से अपना सारा वीर्य साफ़ किया।

वह ब्लाउज़ के बटन लगाकर और साड़ी बाँधकर तैयार हो गई।
उसने बाल संवारे, मुझे एक चुम्बन दिया और बोली- मैं कुछ दिनों बाद फिर आऊँगी !
यह कहकर वह चली गई।

Xxx गाँव सेक्स कहानी कैसी लगी ?
मेल और कमेंट्स में बताएं.
sureshthakur2@gmail.com

इससे आगे की कहानी :

लेखक की पिछली कहानी : रूठी भाभी की चूत लंड मांग रही थी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

चाचा चाची की चुदाई देखकर बहन चोद दी- 3

इंडियन सिस्टर चुदाई कहानी में मेरी चचेरी बहन ने मेरे साथ अपने मम्मी पापा की चुदाई देखी. इससे हम दोनों बहुत गर्म हो गए. मेरी बहन मुझे बाहर वाली कोठरे में ले गयी. दोस्तो, मैं आपको अपनी देसी सेक्स कहानी […]

Full Story >>>

टीचर संग ओरल सेक्स का मजा

ओरल फक स्टोरी में मेरी एक टीचर मुझे बहुत पसंद करती थी, मैं भी उसे पसंद करता था. हम दोनों अच्छे दोस्त बन गए थे. टीचर जॉब छोड़ कर जाने लगी तो आखिरी दिन वे मेरे बाइक पर बैठ गयी. […]

Full Story >>>

चाचा चाची की चुदाई देखकर बहन चोद दी- 2

लाइव Xxx शो में मेरी चचेरी बहन की जवानी मेरे लंड को परेशान कर रही थी. वह भी चुदना चाहती थी तो उसने एक रात अपने माँ बाप की लाइव चुदाई मुझे दिखाई. दोस्तो, मैं अपनी देसी सेक्स कहानी के […]

Full Story >>>

1 दिन में 3 बार चुदी मैं

हॉट गर्ल कहानी में मुझे लंड लेने की आदत हो चुकी थी. मैं एक लंड से चुद तो ली पर मेरी तसल्ली नहीं हुई. मैं नए लंड की तलाश में थी कि मेरे एक और चोदू का फोन आ गया. […]

Full Story >>>

चाचा चाची की चुदाई देखकर बहन चोद दी- 1

बहन की बुर की कहानी में जॉइंट फॅमिली में मेरी चचेरी बहन से मैं खुला हुआ था. मुझे सेक्स की समझ आई तो मेरी नजर अपनी उसी बहन की जवानी पर थी. यह बात बहुत पहले की है, जब मैं […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire